



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25] नई दिल्ली, शनिवार, जून 20, 1981 (ज्येष्ठ 30, 1903)

No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 20, 1981 (JYAIKTHA 30, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विविधक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं।

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सूचना

सं. एस० बी० डी०/3/1981—भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38वां) की धारा 26/2 के अनुसार श्री एन० जी० मावलंकर 16, महाराष्ट्र सोसायटी, अहमदाबाद, जो अधिनियम (तत्वाव) की धारा 25, उपधारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अनुसार स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के बोर्ड पर निदेशक नामित किए गए थे। उनकी नियुक्ति अवधि 19 जून, 1981 को समाप्त होती है।

2. इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधिनियम (तत्वाव) की धारा 25, उपधारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अनुसार तथा भारतीय रिजर्व बैंक से विचार-विमर्श करते के बाद भारतीय स्टेट बैंक ने श्री मावलंकर को स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के बोर्ड के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि के लिए 20 जून 1981 से 19 जून, 1984 (दोनों दिन सम्मिलित) तक किर से नामित किया है।

पी० सी० डी० नन्द्यार,
अध्यक्ष

स्थानीय प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 मई 1981

सूचना

सं. जी० एम० ओ०/3793—1. श्री ओ० पी० वर्मा, अधिकारी सीनियर मैनेजमेन्ट स्केल-ए० ने 15-4-81 को प्रबन्धक (लेखा) नई दिल्ली प्रमुख शाखा में पूर्ण कार्यभार संभाला।

2. श्री तिलोक सिंह, मिडिल मैनेजमेन्ट स्केल III 15-1-81 से उपप्रबन्धक सी० ए० नई दिल्ली प्रमुख शाखा में कार्यभार संभाला।

3. श्री बी० पी० खन्ना, अधिकारी मिडिल मैनेजमेन्ट स्केल III 18-3-81 से प्रबन्धक (नियांत) विदेश व्यापार शाखा, नई दिल्ली में कार्यभार संभाला।

4. श्री आर० एन० टंडन, अधिकारी सीनियर मैनेजमेन्ट स्केल ने 30-3-81 को श्री के० के० नस्ला के स्थान पर प्रबन्धक (नियांत) विदेश व्यापार शाखा, नई दिल्ली में कार्यभार संभाला।

5. श्री एल० एन० गोयल, अधिकारी सीनियर मैनेजमेन्ट स्केल ने 25-4-81 से चांदनी चौक दिल्ली शाखा में प्रबन्धक (लेखा) का कार्यभार संभाला।

6. श्री आर० आर० चोपड़ा, अधिकारी सीनियर मैनेजमेन्ट स्केल ने 6-4-81 से चांदनी चौक, दिल्ली शाखा में शाखा प्रबन्धक का कार्यभार संभाला।

7. श्री आर० एन० प्रभाकर, अधिकारी मिडिल मैनेजमेन्ट स्कॉल III ने 2-2-81 से प्रतिभूति विभाग, नई दिल्ली प्रमुख शाखा में अधीक्षक का कार्यभार संभाला।

8. श्री बी० जी० बाफना, अधिकारी मिडिल मैनेजमेन्ट स्कॉल-III ने 23-2-81 से नई दिल्ली प्रमुख शाखा में उपप्रबन्धक (लेखा) का कार्यभार संभाला।

ह० अपठनीय,

कृत महाप्रबन्धक (परिचालन)

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 20 मई 1981

सूचना

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है:—

श्री एस० बी० षण्मुग्नवादिवेलु ने दिनांक 29 अप्रैल, 1981 से मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरपूर्वीय सर्किल, गैहाटी का पदभार महण किया।

दिनांक 27 मई 1981

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है:—

श्री एस० क० वत्ता ने दिनांक 26 मई 1981 से मुख्य महाप्रबन्धक (योजना), भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई का पदभार ग्रहण किया।

आर० पी० गोपल,
उप प्रबन्ध निदेशक
(कार्मिक एवं सेवाएं)

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 मई 1981

सं० 5-सी० ए० (2)/81-82—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 4-सी० ए० (1)/27/76-77 दिनांक 5 मार्च 1977 एवं 4-सी० ए० (1)/22/78-79 दिनांक 22 फरवरी 1979 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनकी आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
सं०	संख्या		
1.	10816	श्री सुनील कुमार आनन्द, ए०सी०ए० 29-4-1981 चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट आर०-29, एन० डी० एस० ई०, II नई दिल्ली-110049	
2.	13888	श्री विजय कुमार पुरी, ए०सी०ए० 30-4-1981 12/231, लोधी रोड, नई दिल्ली ।	

सं० 5-सी० ए० (3)/81-82—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी० ए० (1)/7/80-81 दिनांक 31 मार्च, 1981 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री बी० कासी विस्वानाथन, ए० सी० ए०, टाटा कन्सलटेंट्सी सर्किल, भूलूल भवन, एप्रिल ब्लॉक, फौर्थ फ्लॉर, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 का नाम दिनांक 27 अप्रैल, 1981 से पुनः स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्यता संख्या 18124 है।

सं० 5-सी० ए० (4)/81-82—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-एस० सी० ए० (1)/14/80-81 दिनांक 31 मार्च, 1981 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री एस० सिवारामाकृष्णा श्रेयार, ए० सी० ए०, 19 सुलेवान गार्डन्स रोड, माईलापोर, मद्रास-4 का नाम दिनांक 6 अप्रैल 1981 से पुनः स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्यता संख्या 5330 है।

दिनांक 28 मई 1981

सं० 5-सी० ए० (5)/81-82—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी० ए० (1)/7/80-81 दिनांक 31 मार्च 1981 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री रूपेन्द्र आनन्द, ए० सी० ए० 58, जौर बाग, नई दिल्ली-110003, का नाम दिनांक 4 मई 1981 से पुनः स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्यता संख्या 80252 है।

पी० एस० गोपालाकृष्णन्,
सचिव

कलकत्ता-700071, दिनांक 16 मई 1981

सं० 14-ई० सी० ए० (1)/81-82—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री तेज करन बरदीआ, 9, प्रीटीरीआ स्ट्रीट, कलकत्ता-700016 का नाम उनकी अपनी प्रार्थना पर 3 अप्रैल, 1981 से हटा दिया है। उनकी सदस्यता संख्या 14850 है।

सी० ए० (1)/81-82—चार्टरड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि श्री बासु-देव प्रसाव अग्रवाल, एफ० सी० ए०, पी० -115, सी० आई० टी० रोड (एन्टाल्ली), कलकत्ता-700014, को जारी किया

प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र 16 मार्च, 1981 से रह कर दिया है क्योंकि वह अपना प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र रखने के इच्छक नहीं है। उनकी सदस्यता संख्या 6616 है।

पी० एस० गोपालाश्रुणन
सचिव

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE

Bombay, the 14th April 1981

No. SBD/3/1981.—In pursuance of sub-section (2) of Section 26 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the term of appointment of Shri N. G. Mavlinkar, 16, Maharashtra Society, Ahmedabad, nominated as a Director on the Board of the State Bank of Saurashtra under clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid), will expire on the 19th June 1981.

2. It is hereby notified for general information that, in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid), the State Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India, has re-nominated Shri Mavlinkar as a Director on the Board of the State Bank of Saurashtra for a further term of three years from the 20th June 1981 to the 19th June 1984 (inclusive).

P. C. D. NAMBIAR,
Chairman

LOCAL HEAD OFFICE

New Delhi-110001, the 25th May 1981

NOTICE

No. GMO.—1. Shri O. P. Verma, Officer Senior Management Scale IV A, assumed charge as Manager (Accounts) New Delhi Main Branch w.e.f. 15-4-81.
2. Shri Tirlok Singh, Middle Management Scale-III assumed charge as Dy. Manager C/A, New Delhi Main Branch w.e.f. 15th January 1981.
3. Shri B. P. Khanna, Officer Middle Management Scale-III assumed charge as Manager (Exports) at Overseas Branch, New Delhi, w.e.f. 18-3-81.
4. Shri R. N. Tandon, Officer Senior Management Scale-IV, assumed charge as Manager (Exports) Overseas Branch New Delhi, w.e.f. 30th March 1981 vice Shri K. K. Narula.
5. Shri L. N. Goel, Officer Senior Management Scale-IV assumed charge as Manager (Accounts) Chandni Chowk Delhi Branch w.e.f. 25th April 1981.
6. Shri R. R. Chopra, Officer Senior Management Scale-IV A, assumed charge as Branch Manager, Chandni Chowk Delhi Branch, w.e.f. 6th April 1981.
7. Shri R. N. Prabhakar, Officer Middle Management Scale-III assumed charge as Suptd., Securities Deptt., New Delhi Main Branch, w.e.f. 2nd February, 1981.
8. Shri D. G. Bafna, Officer Middle Management Scale-III assumed charge as Dy. Manager (Accounts) New New Delhi Main Branch w.e.f. 23-2-81.

Sd/- ILLEGIBLE
for General Manager
(Operations)

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 20th May 1981

NOTICE

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri S. V. Shanmugavadielv has assumed charge as Chief General Manager, North Eastern Circle, Gauhati, as from the 29th April 1981.

The 27th May 1981

NOTICE

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri S. K. Datta has assumed charge as Chief General Manager (Planning), State Bank of India, Central Office, Bombay, as from the 26th May 1981.

R. P. GOYAL
Deputy Managing Director
(Personnel and Services)

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 27th May 1981

No. 5-CA(2)/81-82.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/27/76-77 dated 5th March, 1977 and 4-CA(1)/22/78-79 dated 22nd February, 1979, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

S. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Restoration
1.	10816	Shri Sunil Kumar Anand A.C.A. Chartered Accountant R-29, N. D. S. E. II New Delhi-110049.	29-4-1981
2.	13888	Shri Vijay Kumar Puri, A.C.A. 12/231, Lodhi Road, New Delhi.	30-4-1981

No. 5-CA(3)/81-82.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/7/80-81 dated 31st March, 1981, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 27th April, 1981 the name of Shri V. Kasi Viswanathan, A.C.A. Tata Consultancy Services, Gulab Bhawan, Rear Block, 4th Floor, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002. His membership No. is 18124.

No. 5-CA(4)/81-82.—With reference to this Institute's Notification No. 4-SCA(1)/14/80-81 dated 31st March, 1981, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 6th April, 1981 the name of Shri S. Sivaramakrishna Ayyar, A.C.A., 19, Sullivan Gardens Road, Mylapore, Madras-4. His membership No. is 5330.

The 28th May 1981

No. 5-CA(5)/81-82.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/7/80-81 dated 31st March, 1981 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect

from 4th May, 1981 the name of Shri Rupinder Anand, A.C.A., 58, Jor Bagh, New Delhi-110003. His membership No. is 80252.

P. S. GOPALAKRISHNAN
Secretary

Calcutta-700 071, the 16th May 1981

No. 4ECA(1)/81-82.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (b) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute at his own request with effect from 3-4-81 the name of Shri Tej Karan Bardia, 9, Pretoria Street, Calcutta-700016. His membership number is 14850.

No. 8ECA(1)/81-82.—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to Shri Basudeo Prasad Agrawal, F.C.A., P-115, C.I.T. Road (Entally), Calcutta-700014 shall stand cancelled with effect from 16th March, 1981 as he does not desire to hold his Certificate of Practice. His membership number is 6616.

P. S. GOPALAKRISHNAN,
Secretary

PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

No. 2-81/G.R.—The Central Government (Ministry of Education & Culture) have accorded approval vide their letter No. F. 15-1/80-Desk (U), dated 2-5-1981 to the following Regulations :—

1. Regulation 6 of the Chapter VI 'Conditions of Service of University Employees' at page 140 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

6. A permanent employee, recruited on or after January 1, 1968, shall give at least three months' notice before resigning his post failing which he shall forfeit salary for the same period.

Provided that Syndicate may waive this requirement in part or whole for valid reasons.

Provided further that in case of an employee who is on long leave and resigns his post or his post is declared vacant under Regulation 11.9, the stipulation of three months' notice shall be required.

Explanation : Long leave would mean leave for one year or more.

2. Regulation 12.6 of the Chapter VI 'Conditions of Service of University Employees' at page 152 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

12.6. CLASS "C" EMPLOYEES WORKING IN THE ADMINISTRATIVE OFFICES AND NON-TEACHING DEPARTMENTS shall be entitled to—

(A) PRIVILEGE LEAVE

For every 11 month's active service an employee may be given credit of one month's privilege leave on full pay which shall be allowed to accumulate in accordance with the rules approved by the Syndicate for non-teaching staff. No one shall be granted for more than four month's at a time.

(B) xxx xxx xxx

3. Regulation 1 of the Chapter VII(E) 'Youth Welfare' at page 166 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

1. For financing the various Youth Welfare schemes and activities an annual fee of Rs. 4/- shall be charged from each student on the rolls of an affiliated college or a University college or a University Teaching Department and the

amount so realised shall be deposited with the University not later than the end of October of the year.

Chaudigarh
Dated 20-5-1981

M. M. SHARMA
Deputy Registrar (General)

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day the 20th May 1981.

D. P. VERMA
Registrar

Notification No. 3-81/G.R.

The Central Government (Ministry of Education and Culture) have accorded approval vide their letter No. F. 15-1/81-Desk (U), dated 2-5-1981 to the following Regulations :—

1. Regulation 17.5 of the Chapter VI 'Conditions of Service of University Employees' at page 156 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :—

17.5. A University employee who has put in not less than 20 years' qualifying service may, by giving notice of three months in writing to the appropriate authority, retire from the service voluntarily. A notice of less than three months may be accepted by the appropriate authority in deserving cases.

17.6. A notice of voluntary retirement may be withdrawn subsequently only with the approval of the appropriate authority provided the request for such withdrawal is made before the expiry of the period of notice.

17.7. A notice of voluntary retirement, given after completion of 20 years' qualifying service will require acceptance by the appropriate authority if the date of retirement, on the expiry of the notice would be earlier than the date on which the employee concerned could have retired voluntarily under the existing provisions of regulations. Such acceptance may generally be given in all cases except those (a) in which disciplinary proceedings are pending or contemplated against the employee concerned for the imposition of a major penalty and the disciplinary authority, having regard to the circumstances of the case, is of the view that the imposition of the penalty of removal or dismissal from service would be warranted in the case; or (b) in which prosecution is contemplated or may have been launched in a court of law against the employee concerned. If it is proposed to accept the notice of voluntary retirement even in such cases, approval of the Syndicate in case of employees up to class B and of Senate in all other cases, shall be obtained. Even where the notice of voluntary retirement given by an employee requires acceptance by the appropriate authority, the employee giving notice may presume acceptance and the retirement shall be effective in terms of the notice unless the Vice-Chancellor issues an order to the contrary before the expiry of the period of notice.

17.8. While granting gratuity to an employee retiring voluntarily weightage of upto five years would be given as an addition to the qualifying service actually rendered by him. The grant of weightage of upto five year will, however, be subject to the condition, that the total qualifying service after allowing the weightage should not in any event exceed 30 years of service.

17.9. An employee who retires voluntarily, shall be entitled to gratuity, furlough and leave salary as admissible under the rules and regulations.

Explanation : Qualifying service means continuous service rendered to the University by an employee other than in a temporary or *ad hoc* capacity.

17.10. A University employee is eligible to seek premature retirement even before completing 20 years' qualifying service on medical grounds if the incumbent is certified to be suffering from some incurable disease or permanent disability which renders him unfit to continue in service.

In case any inquiry involving charges of corruption or disciplinary proceedings of serious nature is pending against him, the request for premature retirement on medical grounds may be considered only if he is cleared of the charges.

Permission to retire prematurely on medical grounds shall be that of the Syndicate in case of employees up to Class B and of Senate in all other cases.

Explanation :—The certificate, referred to above, shall be of the Chief Medical Officer of the University but the Vice-Chancellor, Senate or Syndicate, wherever they consider it necessary, may ask for the second opinion from any other medical authority.

2. Addition of new Regulations 14.2, 14.3, 14.4 and 14.5 under Chapter VIII(B), 'Conditions of Service and Conduct of Teachers in Non-Govt. affiliated Colleges, at page 187 of the Calendar, Volume 1, 1981 shall read as under:—

14.2. A teacher who has put in not less than 20 years' qualifying service may, giving three months' notice in writing to the appropriate authority be permitted to retire from the service voluntarily. The appropriate authority may in special cases reduce or waive the period of notice.

14.3. A notice of voluntary retirement may be withdrawn subsequently only with the approval of the appropriate authority provided the request for such withdrawal is made before the expiry of the period of notice.

14.4. A notice of voluntary retirement, given after completion of 20 years' qualifying service will require acceptance by the appropriate authority if the date of retirement, on which the notice would be earlier than the date on which the employee concerned could have retired voluntarily under the existing provisions of Regulations. Such acceptance may generally be given in all cases except those (a) in which disciplinary proceedings are pending or contemplated against the teacher concerned for the imposition of a major penalty and the disciplinary authority having regard to the circumstances of the case, is of the view that the imposition

of the penalty of removal or dismissal from service would be warranted in the case; or (b) in which prosecution is contemplated or may have been launched in a court of law against the teacher concerned. If it is proposed to accept the notice of voluntary retirement even in such cases, approval of the Governing Body shall be obtained. Even where the notice of voluntary retirement given by a teacher requires acceptance by the appropriate authority, the teacher giving notice, may presume acceptance and the retirement shall be effective in terms of the notice unless the Governing Body issues an order to the contrary before the expiry of the period of notice.

14.5. While granting gratuity to a teacher retiring voluntarily, weightage of up to five years would be given as an addition to the qualifying service actually rendered by him. The grant of weightage of up to five years will, however, be subject to the condition that the total qualifying service after allowing the weightage should not in any event exceed 30 years of service.

Explanation : Qualifying service means continuous service rendered to the College by a teacher other than in a temporary or *ad hoc* capacity.

M. M. SHARMA
Deputy Registrar (General)

Chandigarh
Dated : 1-6-1981

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day the 1st June 1981.

D. P. VERMA
Registrar

